म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदान मामलों के रोगनिरोधी, रोगसूचक प्रबंधन हेतु आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए जानकारी

भारत सरकार
आयुष मंत्रालय
औषधि नीति अनुभाग

म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदान मामलों के रोगनिरोधी, रोगसूचक प्रबंधन हेतु आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए जानकारी

<u>प्रस्तावना</u>

भारत दूसरी लहर में कोविड-19 मामलों में हुई उल्लेखनीय वृद्धि से जूझ रहा है। म्यूकॉरमाइकोसिस को "ब्लैक फंगस" के रूप में भी जाना जाता है जो एक गंभीर और दुर्लभ फंगल रोग है जिससे कुछ कोरोनावाइरस के मरीज़ प्रभावित हो रहे हैं। यह देश के लिए दोहरा झटका है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप आदि जैसी बीमारियों से पहले से ही जूझ रहे लोगों में चूंकि रोग निरोधक क्षमता कमजोर होती है इसलिए उनमें म्यूकॉरमाइकोसिस संक्रमण ज्यादा गंभीर होता है। इस जानलेवा संक्रमण के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कई राज्यों ने म्यूकॉरमाइकोसिस को महामारी घोषित कर दिया है और यह एक बहुत बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।

म्यूकॉरमाइकोसिस को मुख्य रूप से शरीर के प्रभावित हिस्से के आधार पर पांच प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है। **राइनो-ऑर्बिटो-सेरेब्रल म्यूकॉरमाइकोसिस** की वर्णित नैदानिक विशेषताएं, रक्तज प्रतिश्याय और कृमिज शिरोरोग (एकतरफा चेहरे की सूजन, सिरदर्द, नाक बंद होना, नाक बहना, बुखार आदि के लिए) के समान हैं। **फेफडों. में म्यूकॉरमाइकोसिस** की नैदानिक विशेषताएं काफी हद तक क्षयज कास (खांसी के साथ छाती में दर्द, दुर्गंध, हरापन, पीपदार, श्लेषमीय और खून के धब्बे से युक्त/रक्त जनन थूक और बुखार के साथ खांसी (ज्वरो-मिश्राकृति) या सीने में दर्द (पार्श्वरुक) या बार-बार नजला (पीनस) जैसी होती हैं। **जठरांत्र म्यूकॉरमाइकोसिस** को उदर रोग विशेष रूप से सन्निपातिक उदर रोग की श्रेणी में रखा जा सकता है और बाद के चरण में **विसरित म्यूकॉरमाइकोसिस** की तुलना दुष्टव्रण से की जा सकती है। **त्वचीय म्यूकॉरमाइकोसिस** की तुलना कुष्ठ और विसर्प के साथ की जा सकती है।

म्यूकॉरमाइकोसिस से बचने का सबसे अच्छा तरीका है संक्रमण के चक्र को तोड़ना, व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना, संक्रमण का जल्दी पता लगाना और उचित चिकित्सा देखभाल उलब्ध कराना। इसके प्रबंधन के आयुर्वेदिक सिद्धांतों में **क्लेदहर, प्रमेहहर, अग्निवर्धक, आमपाचक, कृमिहर, ओजोवर्धक, रसायन और बल्य** चिकित्सा शामिल हैं। इसलिए, म्यूकॉरमाइकोसिस संक्रमण से निपटने के लिए, कोविड -19 प्रबंधन के पथ्यापथ्य के साथ आयुर्वेदिक इम्यूनो-मॉड्यूलेटरी सप्लीमेंट्स को रोगनिदान के रूप में जल्द से जल्द शुरू किया जा सकता है।

स्वास्थ्य अधिकारियों (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और राज्य तथा स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों) द्वारा जारी सभी स्थायी निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना होगा और आयुर्वेद प्रबंधन को म्यूकॉरमाइकोसिस के वर्तमान प्रबंधन के लिए 'सहायक उपचार' के रूप में लिया जा सकता है। यहां सुझाई गई औषधियां एआईआईए नई दिल्ली द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों यथा, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर; राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर; आयुर्वेद संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी; सरकारी आयुर्वेद कॉलेज,

अहमदाबाद; सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, त्रिवेंद्रम और पूरे भारत से आए विषय विशेषज्ञों के साथ आयोजित राष्ट्रीय स्तर की बैठक में हुई चर्चा पर आधारित हैं।

<u>सामान्य अस्वीकरण</u>

- चिकित्सक अपने विवेकानुसार रोग की अवस्था, लक्षणों की जटिलता, अपने आसपास औषधियों की उपलब्धता के आधार पर दवाओं का चयन कर सकते हैं। उन्हें रोग के हालात/स्थिति के अनुसार खुराक/अवधि का निर्णय लेना होगा।

- मरीजों को कोई उपचार शुरू करने से पहले योग्य चिकित्सकों से सामान्य परामर्श/सलाह लेना आवश्यक है।

- जिन रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर कीमोथेरेपी आदि के लिए पहले से ही कुछ दवाएं चल रही हैं उन्हें इन दवाईयों को जारी रखना है।

- यह केवल चिकित्सकों के उपयोग के लिए है और रोगियों द्वारा स्वयं ही दवा लेने के अभिप्राय से बिल्कुल नहीं है। दवाओं का उपयोग केवल पंजीकृत चिकित्साभ्यासी के पर्चे के तहत ही करें।

- यह चिकित्साभ्यासी की जिम्मेदारी है, कि वह अपने अनुभव और रोगी के बारे में जानकारी के आधार पर प्रत्येक रोगी का रोग निदान करे, औषध-योगों का निर्धारण करे, खुराक और सर्वोत्तम उपचार तय करे, और सभी समुचित सुरक्षा सावधानियां बरते। प्रदान की गई सूची उक्त स्थिति के लिए उपलब्ध विभिन्न पसंदीदा दवाओं के बारे में एक विचार-भर है। चिकित्सक ऊपर दी गई सूची से या सूची के इतर दवाओं का शिकायतों और उपलब्धता के अनुसार चयन कर सकते हैं।

- इस दस्तावेज़ में विशेषज्ञों के एक दल के सामूहिक विचार हैं। इन दवाओं का प्रयोग महामारी रोग अधिनियम और आपदा प्रबंधन अधिनियम, यदि लागू हो, के अध्यधीन किया जाएगा। यह चिकित्सक की जिम्मेदारी है कि वह स्थानीय लागू कानूनों की जांच करे। इसके लिए योगदानकर्ता किसी तरह से जिम्मेदार नहीं है।

<u>कैसे रोकथाम करें</u>

क्या करें √

1. उचित पोषण हेतु जरूरी है कि ताजा पका हुआ, गर्म, हल्का आहार लिया जाए जैसे हरी सब्जियां, मूंग दाल, मसूर दाल, दलिया, सूप आदि। इसमें व्यक्ति की अग्नि (पाचन शक्ति) को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

2. शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए हर्बल चाय (आयुष काढ़ा)/औषधीय जल का नियमित पेय के रूप में सेवन किया जाना चाहिए (आयुष कोविड - 19 दिशानिर्देशों के अनुसार)

3. रात में 7-8 घंटे की पर्याप्त नींद जरूरी है और इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

4. व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें।

5. कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार और स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा बताए गए सामान्य सुरक्षात्मक उपायों यथा, सामाजिक दूरी, उचित मास्क का सही तरीके से इस्तेमाल, हाथ धोना और स्वच्छता, कोविड-19 का टीका लगाना आदि का पालन किया जाना चाहिए।

6. हाइपरग्लाइकेमिया को नियंत्रित करें और यदि आवश्यक हो तो तदनुसार चिकित्सक से परामर्श करें।

7. ऑक्सीजन थेरेपी के दौरान ह्यूमिडिफायर के लिए स्वच्छ जीवाणु-रहित पानी का उपयोग करें।

8. आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आईसीएमआर द्वारा समय-समय पर प्रकाशित दिशानिर्देशों का पालन करें।

क्या नहीं करें ×

1. चेहरे की सूजन, सिरदर्द, मुंह/नाक में काले धब्बे, नेत्रगोलकों का उभार बाहर की तरफ होना, सांस लेने में कठिनाई, बुखार आदि जैसे चेतावनी के संकेतों को नज़रअंदाज़ न करें विशेषकर इम्युनोसुप्रेशन और/या कोविड-19 के उन रोगियों के संदर्भ में जो स्टेरॉयड लेते हैं और ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं।

2. खमीर उठा खाद्य पदार्थ, रेफ्रिजेरेटेड चीजें, कोल्ड ड्रिंक, पैक्ड फूड, जंक फूड आदि से बचें।

3. म्यूकॉरमाइकोसिस का इलाज शुरू करने के अहम समय को न गंवाएं।

4. स्वयं दवा लेने से बचें।

5. दिन में न सोएं।

रोगनिरोधी उपाय

दैनिक पथ्यापथ्य

1. आयुष मंत्रालय द्वारा दी गई सलाह के अनुसार ***योगासन, प्राणायाम*** और ध्यान का कम से कम 30 मिनट रोज अभ्यास करें।

2. गुनगुने पानी के साथ चुटकीभर हल्दी/त्रिफला/पंचवल्कल या फिटकरी मिलाकर ***कवल/गण्डूष*** (गरारे) करें।

3. ***नस्य*** (नाक में डालने/लगाने वाला औषधीय तेल) - (अणु तैल या षडबिन्दु तैल) या गाय के घी (गोघृत) का दिन में एक या दो बार प्रयोग करें, खासकर बाहर जाने से पहले और घर वापस आने के बाद।

4. कर्पूर (कपूर) या नीलगिरी के तेल (1-5 बूँदें) या अजवाइन(ट्रेचिस्पर्मम अम्मी), पुदीना(मेंथा स्पाइकाटा) के साथ दिन में एक बार भाप लें।

5. गुग्गुलु (कॉमीफोरा मुकुल), नीम (अज़ादिरक्टा इंडिका), हरिद्रा (करकुमा लोंगा), अगरु (एक्विलारिया अगलोचा), देवदारू (साइट्रस देवदार) या अपराजिता (क्लिटोरिया टर्नेटिया) को घी/तेल के साथ मिलाकर ***धूमापन*** करें।

6. शुंठी (ज़िंजिबर ऑफ़िसिनेल), धानिक्य (धनिया सतीवम), मुस्ता (साइपरस रोटंडम), तुलसी (ओसीमम सैंक्टम), लवंग (सिज़ियम एरोमैटिकम) या जीरा (क्यूमिनम साइमिनम) बीज से तैयार पानी का बार-बार सेवन करें।

7. हल्दी वाला दूध (150 मिलीलीटर गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी (करकुमा लोंगा) पाउडर डालकर) रात में एक बार पिएं, लेकिन अपच के मामले में ऐसा न करें।

नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध औषधियों का रोगनिरोधी रूप में प्रयोग अकेले या विभिन्न प्रकार के म्यूकॉरमाइकोसिस के लिए सूचीबद्ध अन्य औषधियों के साथ किया जा सकता है।

क्रम संख्या	**अवस्था/हालत**	**औषधि**
1	समयानुवर्ती संक्रमण/रोगनिरोधी रोकथाम के लिए पोस्ट-कोविड-19 पथ्यापथ्य	• दशमूल क्वाथ, मंजिष्ठादि कषाय, आरग्वधादि कषाय • संशमनी वटी, आरोग्यवर्धिनी वटी, चंद्रप्रभा वटी • कैशोर गुग्गुलु, त्रिफला गुग्गुलु, लक्ष्मी विलास रस • कृमिकुठार रस, गंधक रसायन • अमृतारिष्ट, विदंगारिष्ट/विडंगासव, कुमारी आसव • च्यवनप्राश अवलेह, चित्रक हरीतकी अवलेह • निशा-आमलकी चूर्ण, सीतोपलादि चूर्ण, अविपालिकर चूर्ण, सुदर्शन चूर्ण • गुग्गुलुतिक्त घृत, जीवन्त्यादि घृत

म्यूकॉरमाइकोसिस के लक्षणात्मक, संदिग्ध और निदान मामलों का प्रबंधन:

क्रम संख्या	म्यूकॉरमाइकोसिस के प्रकार	नैदानिक विशेषताएं	औषधि
1.	राइनो-ऑर्बिटो-सेरेब्रल म्यूकॉरमाइकोसिस	चेहरे की सूजन, सिरदर्द, दृष्टि कम होना, प्रॉप्टोसिस, और/या तालु अल्सर, नाक के किनारे या मुंह के भीतर ऊपरी हिस्से में घाव, एक ही वस्तु दो-दो दिखाई देना	• अमृतादि गुग्गुलु • सप्तामृत लौह • हरिद्रा खंड • त्रिफला घृत • कासीसादि तैल प्रतिमर्श नस्य
2.	फेफड़े में म्यूकॉरमाइकोसिस	बुखार, सांस लेने में कठिनाई, खांसी, सीने में दर्द, फेफड़ों में बहाव।	• गन्धक रसायन के साथ नीम पत्र+त्रिफला+गिलोय+मधुयष्टि चूर्ण का काढ़ा • कंटकारी घृत/दादिमादि घृत के साथ त्रिकटु चूर्ण/मल्लसिंदुर/रससिंदुर/यवक्षार
3.	त्वचीय म्यूकॉरमाइकोसिस	लाल और सख्त त्वचा से घिरा ऊतक क्षयी निशान	• निंबादि कषाय • खादिरारिष्ट • कल्याणक गुड.
4.	जठरांत्र म्यूकॉरमाइकोसिस	पेटदर्द जो किसी एक जगह नहीं बना रहता और पेट फूलना जिसके साथ-साथ मतली, उल्टी और जठरांत्र से खून आना	• शंख वटी • अर्क अजमोदा • नारायण चूर्ण • बोधबध्य रस • कहरवा पिष्टी

			• मौक्तिकयुक्त कामदुधा रस
5.	विकीर्ण म्यूकॉरमाइकोसिस	आम तौर पर उन लोगों में होता है जो पहले से ही अन्य बीमारियों से जूझ रहे होते हैं। इसलिए यह जानना मुश्किल हो सकता है कि कौन सा लक्षण म्यूकॉरमाइकोसिस से संबंधित है। मस्तिष्क में विकीर्ण संक्रमण से पीड़ित मरीजों की मानसिक स्थिति में बदलाव आ सकता है या वे कोमा में जा सकते हैं।	• रसमाणिक्य, • व्याधिहरण रसायन, लोकल एप्लिकेशन के लिए • जात्यादि तैल • जात्यादि घृत • पंचतिक्त घृत

अनुलग्नक 1:

ग्रंथ सूची/समीक्षित लेख

1. कोविड-19 हेतु आयुर्वेद चिकित्साभ्यासियों के लिए आयुष सरकार का मंत्रालय के दिशानिर्देश https://www.ayush.gov.in/ayush-guidelines.html#pra-guideline

2. भारत में कोरोना वायरस (कोविड-19) के फैलने से उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए आयुष मंत्रालय की एडवाइजरी जो https://wwwayush.govin/docs/25.pdf. पर उपलब्ध है।

3. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, ईएमआर डिवीजन द्वारा प्रकाशित कोविड-19 के संदिग्ध/पुष्ट मामलों के उचित प्रबंधन पर मार्गदर्शी दस्तावेज जो https://www.mohfw.gov.in पर उपलब्ध हैं/और जिनका 9 अप्रैल, 2020 को मूल्यांकन किया गया।

4. कोविड-19 के समय में साक्ष्य आधारित एडवाइजरी (मुकॉरमाइकोसिस की जांच, निदान और प्रबंधन) - आईसीएमआर; जो https://www.icmr.gov.in/cmucormycosis.html पर उपलब्ध है।

5. कोविड-19 के संदिग्ध या पुष्टि वाले रोगियों के लिए घर पर देखभाल और उनके संपर्क लोगों का प्रबंधन; जो https://www.who.int/publications/i/item/home-care-for-patients-with-suspected-novelcoronavirus-(ncov)-infection-presenting-with-mild-symptoms-and-management-of-contacts पर उपलब्ध है।

6. म्यूकॉरमाइकोसिस के लक्षण, रोग नियंत्रण एवं निवारण केन्द्र, जो https://www.cdc.gov/fungal/diseases/mucormycosis/symptoms.html पर उपलब्ध हैं।

7. यादवजी त्रिविक्रमजी आचार्य, चरक संहिता अग्निवेश, चक्रपाणि टीका, चौखंभा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2009 में पुनर्मुद्रण।

8. यादवजी त्रिविक्रमजी आचार्य व नारायण राम आचार्य, सुश्रुत की सुश्रुत संहिता, दलहाना की टीका, निबानदशमग्रह, चौखंभा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2009 में पुनर्मुद्रण।

9. वैद्य यदुनंदन उपाध्याय द्वारा संपादित कविराज अत्रिदेव गुप्ता, विद्योतिनी हिंदी टीका के साथ वागभट द्वारा रचित अष्टांगहृदयम, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी द्वारा प्रकाशित, पुनर्मुद्रण संस्करण 2009।

10. अवधेश कुमार सिंह, रितु सिंह, शशांक आर. जोशी, अनूप मिश्रा, कोविड-19 में म्यूकॉरमाइकोसिस: A systematic review of cases reported worldwide and in India, Diabetes & Metabolic Syndrome: Clinical Research & Reviews, 2021

11. अक्षय राउत, गुयेन टीएन ह्यू, Rising incidence of mucormycosis in patients with COVID-19: another challenge for India amidst the second wave? 3 जून, 2021 को प्रकाशित https://doi.org/10.1016/S2213-2600(21)00265-4

12. जॉन टीएम, जैकब सीएन, कोंटॉयनिस डीपी। When Uncontrolled Diabetes Mellitus and Severe COVID-19 Converge: The Perfect Storm for Mucormycosis. Journal of Fungi. 2021; 7(4):298. https://doi.org/10.3390/jof7040298

13. रेवनवर एसएम, पी एस एस, समगा एल, एट. अल। COVID-19 triggering mucormycosis in a susceptible patient: a new phenomenon in the developing world? BMJ Case Reports CP 2021;14:e241663 http://dx.doi.org/10.1136/bcr-2021-241663

14. मेहता, एस, और पांडे, ए. (2020)। Rhino-Orbital Mucormycosis Associated With COVID -19. Cureus, 12(9), e10726. https://doi.org/10.7759/cureus.10726

15. सरकार, संदीप; गोखले, तन्मय; चौधरी, सुष्मिता सना 1; देब, अमित कुमार COVID-19 and orbital mucormycosis, Indian Journal of Ophthalmology: April 2021-Volume 69-Issue 4-p 1002-1004 https://journals.lww.com/ijo/Fulltext/2021/04000/COVID_19_and_orbital_mucormycosis.52.aspx

16. मिश्रा, नेहा एट.अल । A case series of invasive mucormycosis in patients with COVID-19 infection. International Journal of Otorhinolaryngology and Head and Neck Surgery, [S.l.], v. 7, n.5, p. 867-870, apr. 2021. ISSN 2454-5937. Available at: <https://www.ijorl.com/index.php/ijorl/article/view/2925>. Date accessed: 10 Jun. 2021. doi:http://dx.doi.org/10.18203/issn.2454-5929.ijohns20211583.

17. आयुष विभाग (औषधि नियंत्रण प्रकोष्ठ) द्वारा प्रकाशित आवश्यक औषधि सूची (ईडीएल) आयुर्वेद, मार्च 2013, जो https://main.ayush.gov.in/tenders-vacancies-andannouncements/publications/essential-drugs-list-ayurveda-siddha-unani-and-homeopathy पर उपलब्ध है।

18. वॉल्श टीजे, गमलेटस्यू एमएन, मैकगिनिस एमआर, एट अल. Early clinical and laboratory diagnosis of invasive pulmonary, extrapulmonary and disseminated mucormycosis (zygomycosis). Clin Infect Dis 2012;2013(Suppl 1):S55-60 ।

19. अपर्णा एम. Evaluation of antimicrobial effectiveness of licorice and Triphala mouthwashes against Streptococcus mutans. JAHM [Internet]. 2021Apr.20 [cited 2021May24];6(3). ayurvedic formulation. International Journal of Recent Trends in Science and Technology, 8 (2); 2013; 134-137.

20. एके. शोभा भट, बी.एन. विश्वेश, मनोरंजन साहू, और विजय कुमार शुक्ला, clinical study on the efficacy of Panchavalkala cream in Vrana Shodhana w.s.r to its action on microbial load and wound infection, Ayu. 2014 Apr-Jun; 35(2): 135-140.

अनुलग्नक 2:

योगदानकर्ता: विशेषज्ञ आयुर्वेद चिकित्सक

1. प्रो. रघुनाथन नायर, प्राचार्य, एनआईएएसआर-पुथुर, कोल्लम, केरल
2. प्रो. हर्षित शाह, प्राचार्य, शासकीय अखण्डानंद आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
3. प्रो. हरिकृष्णन थिरुमंगलथ, प्राचार्य, शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, त्रिवेंद्रम
4. वैद्य जी प्रभाकर राव - दिल्ली
5. प्रो. शिवकुमार सी.एस., शल्य तंत्र विभाग, शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, त्रिवेंद्रम
6. प्रोफेसर अंबिका, विभागाध्यक्ष, कायाचिकित्सा विभाग, शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, त्रिवेंद्रम
7. प्रो. हेमांगी शुक्ला, विभागाध्यक्ष, शालक्य विभाग, शासकीय अखण्डानंद आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
8. प्रो राजेश शर्मा, शल्य तंत्र विभाग, शासकीय अखंडानंद आयुर्वेद कॉलेज, अहमदाबाद
9. प्रो. सुरेंद्र ए सोनी, ओएसडी आयुष, 1200 बिस्तरों का कोविड सिविल अस्पताल, अहमदाबाद
10. प्रो. अनंतराम शर्मा, विभागाध्यक्ष, पंचकर्म विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली
11. वैद्य राम शुक्ल, पंचकर्म, ओएसडी, आयुष एसवीपी अस्पताल
12. वैद्य रोहिणी साल्वे, पंचकर्म, ओएसडी, आयुष आईकेडी अस्पताल
13. वैद्य डी बी वघेला, शालक्य तंत्र विभाग, आईटीआरए, जामनगर
14. वैद्य मंदीप गोयल, कायाचिकित्सा विभाग, आईटीआरए, जामनगर
15. वैद्य टी एस दुदमल, शल्य तंत्र विभाग, आईटीआरए, जामनगर
16. वैद्य रमाकांत यादव, कायाचिकित्सा विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली
17. वैद्य श्रीकुरल के. पिल्लई, आयुष कॉलेज, त्रिवेंद्रम
18. वैद्य राजाराम महतो, कायाचिकित्सा विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली
19. वैद्य प्रशांत धर्मराजन, पंचकर्म विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली
20. वैद्य दिव्या कजारिया, कायाचिकित्सा विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली
21. वैद्य दीपक पवार, शालक्य तंत्र विभाग, आईटीआरए, जामनगर
22. वैद्य राहुल गांधी, पंच कर्म विभाग, आईटीआरए, जामनगर
23. वैद्य सत्य एन दोर्नाला-दिल्ली
24. वैद्य मनोहर पालकुर्थी - यूएसए
25. वैद्य आई. मुरली कृष्ण - हैदराबाद
26. वैद्य एम. चान वैद्यशेखर - हैदराबाद
27. वैद्य स्नेहलता एस एन दोर्नाला-यूपी
28. वैद्य रघुराम अय्यागरी - दिल्ली
29. वैद्य क्रांति वर्धन-हैदराबाद
30. वैद्य महेश कुमार सी एस-दिल्ली
31. वैद्य कामेश्वर राव-दिल्ली
32. वैद्य कपिल मेहर, पीएचडी स्कॉलर, एआईआईए, नई दिल्ली
33. वैद्य जिनूप पी, पीएचडी स्कॉलर, एआईआईए, नई दिल्ली

समन्वयक

1. प्रो. मंजूषा राजगोपाल, विभागाध्यक्ष, शालक्य तंत्र, एआईआईए, नई दिल्ली
2. वैद्य नारायण बावलट्टी, शालक्य तंत्र विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली
3. वैद्य अंकुर त्रिपाठी, शालक्य तंत्र विभाग, एआईआईए, नई दिल्ली

सलाहकार

1. प्रो. तनूजा मनोज नेसरी, निदेशक, एआईआईए, नई दिल्ली
2. प्रो. संजीव शर्मा, निदेशक/प्रभारी कुलपति, एनआईए, जयपुर
3. प्रो. अनूप ठक्कर, निदेशक/कुलपति, आईटीआरए, जामनगर